उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सुभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 09 जनवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(01/42)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में भारतीय रेलवे द्वारा उत्तराखण्ड में किये गये कार्यों पर प्रकाशित पुस्तक 'नई रेलवे नया उत्तराखण्ड' का विमोचन किया। इस पुस्तक में 2014 से वर्तमान तक उत्तराखण्ड में रेलवे द्वारा किये गये कार्यों एवं योजनाओं के विकास पर जानकारी दी गई है। इसके अन्तर्गत पिछले चार वर्षों में रेलवे से सम्बन्धित आधारभूत संरचनाओं के विकास। उत्तराखण्ड में नई रेल लाईनों के निर्माण रोड़ ओवर ब्रिज (आरओबी) रोड़ अंडर ब्रिज (आरयूबी), उत्तराखण्ड में यात्री केन्द्रित सेवाओं यात्रियों की सुरक्षा व सुविधाओं, प्रदेश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर फ्री वाई फाई व टिकट काउंटरों पर डिजिटल लेन–देन के सम्बन्ध में जानकारी दी गई है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में देश के प्रमुख पर्यटक व तीर्थ स्थल है। उत्तराखण्ड के चारों धामों में देश–विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। यात्रियों के सुविधा के दृष्टिगत प्रदेश में यातायात के संसाधनों को बढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। उत्तराखण्ड में यातायात को सुलभ बनाने में केन्द्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। 2014 के बाद उत्तराखण्ड में लखनऊ–काठगोदाम एक्सप्रेस, हिसार–हरिद्वार एक्सप्रेस, रामनगर–चण्डीगढ़ एक्सप्रेस, जम्मू तवी–हरिद्वार एक्सप्रेस आनंद विहार– लालकुंआ इन्टरसिटी एक्सप्रेस, रामनगर–आगरा फोर्ट एक्सप्रेस का शुभारम्भ किया गया। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग के बीच नई रेल लाईन का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि चारधाम सम्पर्क के फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि देवबंद–रूड़की रेल लाइन के निर्माण तथा सहारनपुर–बागपत–दिल्ली नेशनल हाइवे के निर्माण के बाद देहरादून से दिल्ली की दूरी 3 घंटे मे तय होने लगेगी। इससे राज्य में पर्यटकों व तीर्थ यात्रियों का आवागमन बढ़ने के साथ ही उन्हें सुविधा भी होगी। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के निर्माण से पर्वतीय क्षेत्रों के विकास की राह भी प्रसस्त होगी।

रेलवे के डीआरएम श्री अजय कुमार सिंघल ने बताया कि कि रेलवे द्वारा देहरादून व हरिद्वार के रेलवे स्टेशनों के सुधारीकरण व यात्रियों की सुविधा के लिये लगभग 16 करोड़ की योजना बनायी गई है। जिन पर कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि रेलवे द्वारा इन 04 वर्षों में उत्तराखण्ड की रेल परियोजनाओं पर 577 करोड़ रूपये व्यय किये गये, जो वर्ष 2009 से 2014 के मुकाबले 208 प्रतिशत अधिक है।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष एमडीडीए श्री आशीष श्रीवास्तव, सचिव एम.डी.डी.ए. श्री पी.सी.दुमका, रेलवे के सीनियर डीईएन श्री अजय कुमार सिंह, सीनियर डीसीएम श्रीमती रेखा, डीएससी आरपीएफ श्री संदीव राव बंसल आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 09 जनवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(01/41)

रिस्पना एवं बिन्दाल नदियों का होगा रीवर फ्रंट डेवलपमेंट

- **रिस्पना और बिन्दाल के रीवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिये साबरमती रीवर फ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एस.आर.एफ.डी.सी.एल.) देगा तकनीकि सहयोग।**
- **मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत एवं एस.आर.एफ.डी.सी.एल. के चेयरमैन श्री केशव वर्मा की उपस्थिति में एम.ओ.यू. का हुआ आदान–प्रदान।**
- **साबरमती की भांति इन दोनों नदियों का होगा पुनर्जीवीकरण।**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में साबरमती नदी की तर्ज पर रिस्पना एवं बिन्दाल नदियों के रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिये साबरमती रीवर फ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एस.आर.एफ.डी.सी.एल.) तकनीकि सहयोग के लिये एम.ओ.यू. पर एस.आर.एफ.डी.सी.एल. के अधिशासी निदेशक श्री आर.के.मेहता तथा एम.डी.डी.ए. के उपाध्यक्ष श्री आशीष श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर एस.आर.एफ.डी.सी.एल. के चेयरमैन श्री केशव वर्मा भी उपस्थित थे।

इसके तहत साबरमती की तर्ज पर नदियों के दोनों किनारों को विकसित किया जायेगा। इस क्षेत्र में आवासीय व अनावासीय क्षेत्रों को विकसित करने के साथ ही इन क्षेत्रों के सौन्दर्यीकरण किये जाने के साथ ही इन क्षेत्रों से अतिक्रमण की रोकथाम तथा नदियों के प्रवाह को विकसित किया जायेगा। इस बहुआयामी परियोजना के दूरगामी परिणाम शीघ्र सामने आयेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि लम्बे समय से इस योजना पर कार्य किये जाने के प्रयास किये जा रहे थे, एस.आर.एफ.डी.सी.एल. के तकनीकि सहयोग से 02 साल के अन्दर इन नदियों का पुनर्जीवीकरण हो सकेगा। इनमें पानी का निरन्तर प्रवाह बनेगा । इनके सौन्दर्यीकरण से देहरादून का भी सौन्दर्य बढ़ेगा तथा पर्यावरण भी सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि उनका इन नदियों के प्रति गहरा लगाव है। वर्ष 2009 में उन्होंने स्वयं 02 माह तक इसमें सफाई अभियान संचालित किया था, तब भी अनेक लोग इससे जुडे थे। तब से हमारी इस योजना को मूर्तरूप देने की रही, जो अब साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही सौंग बांध का कार्य भी शुरू हो जायेगा। इसके लिये केन्द्र से भी मदद मांगी गई है तथा हमने अपने बजट में भी इसका प्राविधान किया है। 148 मीटर ऊंचे इस बांध से देहरादून को ग्रेविटी का पानी निरन्तर उपलब्ध होगा। एक वर्ष में इसका कार्य पूर्ण होगा।

एस.आर.एफ.डी.सी.एल. के चेयरमैन श्री केशव वर्मा ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में जो पहल की है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि देहरादून की इन नदियों के रीवर फ्रंट डेवलपमेंट से इनका सौन्दर्य बढ़ेगा। इनमें पानी की निरन्तरता होगी तथा पर्यावरण भी सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हम उत्तराखण्ड सरकार का पूरा सहयेग करेंगे। उन्होंने कहा कि इन नदियों के बेसिन से लेकर नदी क्षेत्र की पूरी योजना बनायी जायेगा। रीवर फ्रंट डेवलपमेंट की योजना को बहुआयामी बताते हुए उन्होंने कहा कि आज साबरमती में 1100 करोड़ रूपये व्यय करने के बाद उससे 3500 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हो रहा है। इन नदियों की 94 हैक्टेयर भूमि को विकसित कर इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की योजना बनाने की उनकी कौशिश रहेगी। उनके पास इसके लिये दक्ष टीम है तथा देश के कई राज्यों में उनके द्वारा कार्य किया जा रहा है।

उपाध्यक्ष एम.डी.डी.ए. श्री आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना को 2017 में आरम्भ करने की योजना बनायी गई। इसके लिये कार्यदायी संस्था के रूप में एन.बी.सी.सी. का चयन करने के बाद तकनीकि सहयोग के लिये एस.आर.एफ.डी.सी.एल. से एम.ओ.यू. सम्पन्न किया गया है। उन्होंने इसके लिये मुख्यमंत्री का भी आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर एस.आर.एफ.डी.सी.एल. के उप महाप्रबंधक श्री पलकेश पारिक, सचिव एम.डी.डी.ए. श्री पी.सी.दुमका, अधीक्षण अभियंता श्री संजीव जैन, अधिशासी अभियंता श्री संजय राज आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 09 जनवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(01/40)**

मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय सभागार में गणतंत्र दिवस समारोह की रूप रेखा निर्धारण बैठक संपन्न हुई। बैठक में समस्त शासकीय भवनों को दिनांक 25 एवं 26 जनवरी को सांय 6.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक प्रकाशमान करने का निर्णय लिया गया। इसमें कम वोल्टेज के बल्बों/एल.ई.डी. का प्रयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये तथा इस कार्य में नगर निगम, मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण, व्यापार संघों तथा स्थानीय गैर–सरकारी संस्थाओं की सहभागिता भी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि सूचना विभाग द्वारा प्रदेश मुख्यालय में प्रमुख चौराहों पर दिनांक 25 जनवरी, 2019 को सांय 6:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक तथा दिनांक 26 जनवरी, 2019 को प्रातः 6:00 बजे से पूर्वाह्न 11:00 बजे तक लाउडस्पीकर के माध्यम से देशप्रेम एवं देशभक्ति के गीतों का प्रसारण किया जायेगा। दिनांक 26 जनवरी 2019 को सचिवालय, जनपद मुख्यालयों, विभागाध्यक्ष कार्यालयों एवं शासकीय कार्यालयों में प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। बैठक में तय किया गया कि गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर देहरादून में संस्कृति विभाग द्वारा टाउन हॉल में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। सचिव श्री राज्यपाल श्री आर.के.सुधांशु ने बताया कि राजभवन में हर वर्ष की भांति किये जाने वाले आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल किया गया है।

परेड ग्राउंड देहरादून में आयोजित किये जाने वाला मुख्य समारोह प्रातः 10:30 बजे प्रारम्भ होगा। समारोह के मुख्य अतिथि श्री राज्यपाल महोदया होंगी। आयोजन स्थल की सजावट बैरिकेटिंग एवं अन्य अवस्थापना कार्य का समन्वय जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून, मुख्य नगर अधिकारी, लोक निर्माण विभाग देहरादून के मुख्य अभियन्ता करेंगे। परेड़ ग्राउण्ड में आयोजित समारोह को मनोहर बनाने हेतु वायु सेना द्वारा करतब के आयोजन के लिये मुख्य सचिव उच्च स्तर पर वार्ता करेंगे।

परेड़ ग्राउण्ड में आयोजन परेड़ में सेना, आई.टी.बी.पी., सिविल पुलिस, पी.ए.सी., होमगार्ड, पी.आर.डी., एन.सी.सी, एन.एस.एस., भूतपूर्व सैनिकों एवं स्काउट गाईड्स आदि द्वारा भाग लिया जायेगा। परेड का नेतृत्व सेना के अधिकारी द्वारा किया जायेगा। परेड़ में सेना तथा पी.ए.सी. बैण्ड शामिल होंगे। परेड में सीआरपीएफ की सहभागिता के लिये सम्पर्क करने के निर्देश मुख्य सचिव द्वारा दिये गये।

परेड़ प्रदर्शन में उत्कृष्ट परेड़ दल के प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय आने वाले टुकडियों को पुरस्कृत किया जायेगा। प्रमुख सचिव गृह की अध्यक्षता में सेना तथा महानिरीक्षक/उपमहानिरीक्षक पुलिस, आई.टी.बी.पी. की समिति का गठन किया जायेगा। उत्कृष्ट झाँकियों के चयन (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय) के लिये प्रमुख सचिव/सचिव, सूचना की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जायेगा।

परेड़ के तुरन्त बाद राजकीय विद्यालयों के छात्र/छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगें तथा गत वर्ष की भांति विभिन्न विभागों के द्वारा झांकियों का प्रदर्शन किया जायेगा। झाँकियों के संबंध में निर्देश दिये गये कि जिन विभागों द्वारा झाँकियां प्रस्तुत की जानी है, के विषय वस्तु संबंधी प्रस्ताव के लिये जिलाधिकारी देहरादून को शीघ्र समन्वय बैठक बुलाने के निर्देश दिये।

झांकियों के बाद परेड़ ग्राउण्ड में संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। सांस्कृतिक दलों का चयन सचिव, संस्कृति विभाग द्वारा जिलाधिकारी, देहरादून एवं निदेशक, संस्कृति/शिक्षा विभाग से समन्वय करते हुए किया जायेगा।

बैठक का सफल संचालन सचिव सूचना/पर्यटन श्री दिलीप जावलकर ने किया।

बैठक में महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) पुलिस श्री अशोक कुमार, कमाण्डेंट आईटीबीपी श्री अशोक कुमार गुप्ता, सचिव श्री राज्यपाल श्री आर.के.सुधांशु, आयुक्त गढ़वाल श्री शैलेश बगोली, अपर सचिव ऊर्जा कैप्टेन आलोक शेखर तिवारी, निदेशक खेल श्री प्रताप सिंह शाह, प्रभारी सचिव श्री भूपाल सिंह मनराल, जिलाधिकारी श्री एस.ए.मुरूगेशन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुश्री निवेदिता कुकरेती, संयुक्त सचिव सूचना श्री संजय टोलिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 09 जनवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(01/39)

छात्रों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाए : मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने आपदा प्रबंधन के एमआईएस पोर्टल ''सचेत'' का शुभारम्भ किया।**
- **आगामी जून तक मुक्तेश्वर व सुरकण्डा देवी में डॉप्लर राडार लगा दिए जाएंगे।**
- **आईआईटी रूड़की द्वारा राज्य में भूकम्प पूर्व चेतावनी तन्त्र को सुदृढ़ करने के लिए 184 में से 155 सेन्सर लगा दिए गए है।**
- **मुख्यमंत्री ने सचिवालय में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्यो की समीक्षा की।**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को सचिवालय में राज्य में घटित प्राकृतिक आपदाओं एवं सड़क दुर्घटनाओं की ऑन लाइन रिपोर्टिग, डाटा कलेक्शन व प्रवर्तन हेतु विकसित किए गए एमआईएस पोर्टल ''सचेत'' का शुभारम्भ किया। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्यो की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ को निर्देश दिए कि राज्य में प्राकृतिक आपदाओं एवं सड़क दुर्घटनाओं के दौरान नेहरू पर्वतारोहण संस्थान से समन्वय करके वहां के प्रशिक्षार्थियों का भी सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री ने औचक मॉक ड्रिल करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल व कॉलेज के बच्चों को आपदा प्रबन्ध के प्रशिक्षण से जोड़ा जाए।

बैठक के दौरान उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण ने जानकारी दी कि विभिन्न मौसम सम्बन्धित सटीक जानकारियों के लिए आगामी जून तक मुक्तेश्वर व सुरकण्डा देवी में डॉप्लर राडार लगा दिए जाएगे। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा राज्यभर में 176 में से 139 मिट्रयॉलॉजिकल इक्वपमेन्ट लगा दिए गए है। आईआईटी रूड़की द्वारा राज्यभर में भूकम्प पूर्व चेतावनी तन्त्र को सुदृढ़ करने के लिए 184 में से 155 सेन्सर लगा दिए गए है। भूकम्प के चेतावनी के लिए राज्यभर में 49 साइरन लग चुके है। इसके साथ ही भूकम्प की पूर्व चेतावनी के लिए हरिद्वार, देहरादून व काठगोदाम के 100 स्थानों व एसईओसी तथा डीईओसी पर साइरन लगाए जा रहे है। टीएचडीसीआईएल के सहयोग से कोटेश्वर व ऋषिकेश के मध्य गंगा किनारे 8 स्थानों पर वॉइस मैसेज के साथ साइरन लगाए जा रहे है। विजन 2020 के तहत एसडीआरएफ द्वारा अभी तक 5381 महिला मंगल दलों व 4995 युवा मंगल दलों तथा 87 एनजीओं को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत व बचाव कार्यो का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सभी जिलों में अभी तक 74 सेटेलाइट फोन दिए जा चुके है तथा अतिरिक्त 79 सेटेलाइट फोन जल्द ही उपलब्ध करवाए जाएगे। सभी जिलों में आपदा घटित होने के पश्चात सर्विलेन्स व मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन की व्यवस्था है। आपदाओं के प्रभावी प्रबन्धन हेतु जिला स्तर पर जीआईएस सेल बनाए जा रहे है।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि वेप्कॉस द्वारा 9.97 करोड़ रूपये की लागत से पूर्णागिरी मन्दिर के स्लॉप में आ रही दरारों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही एसडीआरएफ द्वारा पिथौरागढ़ की ब्यांस, दारमा व चौंदास घाटी में वायरलेस इन्टरनेट संचार सुविधा स्थापित करने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इसी प्रकार हर की दून ट्रेकिंग रूट, पिन्डारी गलेश्यिर ट्रेकिंग रूट, गंगोत्री/भोजबासा ट्रेकिंग रूट में भी इसी प्रकार की वायरलेस इन्टरनेट संचार सुविधा स्थापित करने की योजना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा आपदा प्रबन्धन विभाग के तहत आपदा प्रबन्धन खोज–बचाव दल में सराहनीय कार्यो के लिए चमोली जिले में तैनात श्री दर्शन सिंह को सम्मानित किया गया। श्री दर्शन सिंह ने 13 अगस्त 2018 को कोटेश्वर मन्दिर रूद्रप्रयाग में अलकनन्दा नदी के तट पर डयूटी के दौरान नदी में बहती बालिका को कठिन परिस्थितियों में बचाया था। इसके साथ ही अल्मोड़ा जिला में युवा कल्याण व प्रान्तीय रक्षक दल विभाग में आउटसोर्स से तैनात श्री भुवन चन्द्र काण्डपाल को समय–समय पर किसी भी आपदा या वाहन दुर्घटना के समय खोज एवं बचाव कार्यो में सराहनीय कार्यो के लिए सम्मानित किया गया। जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी सुश्री दीपशिखा रावत को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री प्रकाश पन्त, श्री यशपाल आर्य, मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह, डीजीपी श्री अनिल रतूड़ी, एडीजी श्री अशोक कुमार, आई जी श्री सजंय गुंज्याल, सचिव श्री मीनाक्षी सुन्दरम, अपर सचिव श्री सविन बंसल आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग